आईसीएआर-सीआईएफई द्वारा जल उद्योगिनी 1.0 का आयोजन

भाकृअनुप-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान , मुंबई के एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन (एबीआई) केंद्र ने दिनांक 6 मई, 2025 को एक दिवसीय महिला जल उद्यमिता विकास कार्यक्रम "जल उद्योगिनी 1.0" का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम मछुआरिनों के संगठन दर्यावर्दी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (DPCL), मुंबई से जुड़ी 102 महिलाओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जिसका उद्देश्य मत्स्य क्षेत्र में उद्यमिता के अवसरों का अन्वेषण करना था।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एन. पी. साहू, कार्यवाहक निदेशक, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई द्वारा किया गया। उन्होंने मत्स्यपालन और जलकृषि में महिला नेतृत्व वाली उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि सीआईएफई का एबीआई केंद्र महिलाओं को उद्यमिता के क्षेत्र में सशक्त बनाने हेतु किस प्रकार सहयोग प्रदान कर रहा है।

डॉ. एस. पी. शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, एबीआई ने कार्यक्रम के उद्देश्यों का परिचय देते हुए इसे महिलाओं में मत्स्य आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक मार्गदर्शक पहल बताया। उन्होंने प्रशिक्षण और इनक्यूबेशन की भूमिका को सतत आजीविका के लिए आवश्यक बताया।

वृत्ति फाउंडेशन की सीईओ श्रीमती रघिनी बी. ने DPCL के साथ फाउंडेशन की साझेदारी और संगठन की महिलाओं को एक मजबूत उत्पादक समूह के रूप में संगठित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। श्री समीर देसाई, सीईओ (सीगुल एडवर्टाइजिंग एंड ब्रांडिंग सॉल्यूशंस) ने डीपीसीएल से जुड़ी महिलाओं के लिए एकता और ब्रांडिंग के महत्व को रेखांकित किया।

तकनीकी सत्रों में निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान दिए गए:

1) शैवाल संवर्धन और उद्यमिता के अवसर – डॉ. एस. पी. शुक्ला
2) सज्जात्मक मत्स्य पालन और उद्यमिता के अवसर – डॉ. परमिता बॅनर्जी सावंत
3) मत्स्यपालन और उद्यमिता के अवसर – डॉ. कपिल सुखधाने
4) मत्स्य पोषण और उद्यमिता के अवसर – डॉ. मनीष जयंत
5) मत्स्य प्रसंस्करण और उद्यमिता के अवसर – डॉ. लायना पी.
6) उद्यमिता विकास हेतु वित्तीय सहायता – डॉ. शिवाजी अरगडे

कार्यक्रम का समापन सहभागी महिलाओं के साथ संवादात्मक चर्चा और फीडबैक प्राप्त करने के साथ हुआ। इस आयोजन का समन्वय एबीआई टीम द्वारा किया गया तथा संचालन सीनियर रिसर्च फेलो श्रीमती स्नेहल परब द्वारा किया गया। आईसीएआर-सीआईएफई का एबीआई केंद्र, वृत्ति फाउंडेशन और डीपीसीएल, मुंबई की सामूहिक पहल से संपन्न "जल उद्यौगिनी 1.0" कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जिससे मत्स्य क्षेत्र में समावेशी एवं महिला नेतृत्व वाली वृद्धि को बल मिलेगा।

ICAR Central Institute of Fisheries Education
Agri Business Incubation (ABI) Centre
Supported By IP & TM – ICAR
Versova, Mumbai
उद्योजकता विकास कार्यक्रम
Entrepreneurship Development Program (EDP)
जल उद्योगिनी १.०
ICAR-CIFE
Mumbai
भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई

सजावटी रंगबिरंगी मछलीपालन :
एक उपयोगी व्यवसाय

1st April 1979
CIFE came under the administrative control of ICAR

COST
17%